अब आप परमेश्वर की संतान हैं

मोहन सी. लाज़रस

अब आप परमेश्वर की संतान हैं!

आप धन्य हैं!

भाइयो और बहनों, आप धन्य हैं, जिन्होंने अपने हृदय में प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण किया है।

प्रभु यीशु मसीह इतना प्रेम करते हैं कि उन्होंने आपके लिए यह सम्भव किया कि आप यीशु छुड़ाता है इस सभा में आएँ जिसमें उनके साथ आपकी मुलाकात हुई है।

"तुमने मुझे नहीं चुना है परन्तु मैंने तुम्हें चुना है," यूहन्ना 15:16 में प्रभु यीशु मसीह कहते हैं। आज, प्रभु यीशु मसीह ने आपको अपनी संतान के रूप में चुना लिया है।

जब परमेश्वर का सेवक संदेश दे रहा था तो यह प्रभु यीशु मसीह ही थे जो उसके द्वारा आपसे बात कर रहे थे।

इसलिए आप पश्चाताप करने के लिए सामने आए और अपनी पापी दशा से छुटकारा पा गए और प्रभु यीशु मसीह को अपने हृदय में ग्रहण किया।

परमेश्वर के वचन की आज्ञा मानते हुए, आपने अपने जीवन में प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण करने का निर्णय लिया, और यह आपके जीवन की अविस्मरणीय और महत्वपूर्ण घटना है।

जब आपने प्रभु यीशु मसीह को अपना जीवन समर्पण करने का निर्णय लिया, क्या आपके साथ क्या हो रहा था? परमेश्वर की आशीषों को प्राप्त करने के लिए इस बात को सीखना आपके लिए अति आवश्यक है। इसलिए, प्रार्थना के साथ इसे लगातार पढ़ते रहें।

आपके पाप क्षमा हो चुके हैं!

क्योंकि आपने पश्चाताप किया और प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण किया है, आपके अतीत के सभी पाप जो अब तक आपने किए हैं क्षमा हो गए हैं। उन्होंने आपके मूल पाप को क्षमा कर दिया है जिसके साथ आपका जनम हुआ था और वे पाप जो आप ने अनजाने और जानबूझकर बचपन से किए थे।

क्योंकि उन्होंने स्वयं आपके सारे पापों को क्रूस पर उठा लिया, आपके सारे पाप मसीह के द्वारा क्षमा हो गए हैं। **(1पतरस 2:24)** आपको इस पर विश्वास करना चाहिए।

"जो अपने अपराध छिपा रखता है, उसका कार्य सुफल नहीं होता, परन्तु जो उनको मान लेता और छोड़ भी देता है, उस पर दया की जायेगी।" (नीतिवचन 28:13).

इस पद के अनुसार, **"...उसके पुत्र यीशु मसीह का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।" (1 यूहन्ना 1:7)**, जैसा आपने अपने पापों का अंगीकार किया है और प्रार्थना की है, परमेश्वर आपके प्रति दयावान रहे हैं। प्रभु यीशु मसीह ने आपके सारे पापों को क्षमा कर दिया है और

आपके हृदय को शुद्ध कर दिया है। अब, आपका अपने अतीत के पापों से कोई सम्बन्ध नहीं है। चाहे वह कितने भी गम्भीर और खतरनाक क्यों न रहे हों परमेश्वर ने उन्हें क्षमा कर दिया और उन्हें भूला दिया है।

"उदयाचल अस्ताचल से जितनी दूर है, उस ने (प्रभु यीशु मसीह ने) हमारे अपराधों को हम से उतनी ही दूर कर दिया है।" (भजन संहिता 103:12).

इस पद पर विश्वास करें और प्रभ यीशु मसीह की बड़ाई करें।

"प्रिय प्रभु जी, मेरे सारे पापों को क्षमा करने के लिए मैं आपकी बड़ाई और धन्यवाद करता हूँ/करती हूँ। अपने पवित्र रक्त से मेरे पाप को धोने के लिए धन्यवाद। जितना पूर्व से पश्चिम दूर है उतने दूर मुझसे मेरे पाप दूर करने के लिए आपका धन्यवाद। प्रभु के नाम की स्तुति हो।

आज के बाद, अपने अतीत के पापों के विषय प्रार्थना करने और परमेश्वर को बताने की जरूरत नहीं है।

मेज़ पर रखा हुआ काँच का गिलास एक छोटी लड़की से जब वह खेल रही थी टूट गया। किसी ने इसे नहीं देखा था; कुछ पल के लिए उसके मन में आया कि वह चुप चाप वहाँ से हट जाए। तब उसने महसूस कियाः "मेरे प्रभु, यह तो गलत बात है। यदि घरवालों ने जान लिया कि यह मैंने किया है तो मुझे दण्ड मिलेगा। इसलिए मैं स्वयं ही घरवालों के सामने जाकर इस गलती को मान लूँ।" उसने उस टूटे हुए काँच के गिलास के टुकड़े उठाए और वह अपनी माँ के पास पहुँच गई।

आँसुओं के साथ उसने अपनी माँ को बताया, "माँ, गलती से मुझसे यह काँच का गिलास टूट गया है। प्लीज़ मुझे क्षमा करें।"

उसकी माँ बहुत प्रसन्न थी कि बच्ची ने मान लिया है और अपनी गलती का पश्चाताप किया है, उसने उस टूटे हुए काँच के गिलास के टुकड़े बच्ची के हाथ से लिए और कहा, "मेरी बच्ची मैंने तुम्हें क्षमा कर दिया; दोबारा ऐसी गलती मत करना।" बच्ची खुशी खुशी गई और जाकर खेलने लगी।

दो दिनों के बाद, जब वह बच्ची सड़क पर खेल रही थी तो उसने उसी काँच के गिलास के टुकड़े कूड़ेदान में पड़े हुए देखे।

यदि वह दोबारा उन काँच के टुकड़ों को उठाकर अपनी माँ के पास जाती और कहती, "माँ, मैंने दो दिन पहले इस काँच के गिलास को तोड़ा था। प्लीज मुझे क्षमा करें।" तो माँ इसे देखकर क्या सोचेगी?

ज़रा इस पर विचार करें। उसने अपनी बच्ची को बड़े गम्भीर स्वर में कहा होगाः "मैं तो तुम्हें पहले ही क्षमा कर चुकी हूँ फिर तुम यह टूटे हुए काँच के गिलास के टुकड़े क्यों उठा लाई हो? जाओ इसे उसी कूड़ेदान में फेंककर आओ।"

परमेश्वर जो हमें हमारी माँ से भी बढ़कर प्रेम करते हैं वह ऐसा देखकर दुख महसूस करेंगे।

आपके पाप क्षमा हो चुके हैं। परमेश्वर ने आपके अतीत के पापों को क्षमा कर दिया और भूला दिया है। वह उनके विषय कभी नहीं सोचेंगे। उन्होंने हमारे अपराधों को गहरे समुन्द्र में डाल दिया है। **(मीका 7:19).**

उन पापों का अपनी प्रार्थनाओं में कभी भी उल्लेख न करें। उनकी क्षमा के लिए परमेश्वर का धन्यवाद और स्तुति करें।

प्रभु यीशु मसीह आपके हृदय में आ चुके हैं। न केवल आपके पाप ही क्षमा हुए हैं परन्तु अब यीशु आपके हृदय में भी रहते हैं। यह कितने बड़े आनन्द की बात है। प्रभु जिन्होंने आकाश और पृथ्वी को बनाया है अब वह आपके हृदय में वास करते हैं। यह विश्वास करें!

"देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूं; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार (हृदय के) खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा, और वह मेरे साथ।" (प्रकाशितवाक्य 3:20). प्रभु यीशु मसीह जिन्होंने यह कहा है अब वह आपके हृदय में आ चुके हैं।

जब परमेश्वर का सेवक संदेश दे रह था तो उसके द्वारा प्रभु यीशु मसीह ने आपके हृदय के द्वार को खटखटाया।

आपने उस खटखटाहट को सुना और जब आपने प्रार्थना की तो उनके लिए द्वार को खोला, "प्रभु यीशु मेरे हृदय आएँ।"

प्रभु यीशु मसीह ने आपके निमन्त्रण को स्वीकार किया है और आपके हृदय में गए हैं।

इस बात पर विश्वास करें और खुशी के साथ उनकी बड़ाई करें। "प्रभु यीशु मेरे हृदय में आने के लिए आपका धन्यवाद, मेरे साथ बने रहने के लिए आपका धन्यवाद।" इस तरह से आप उनकी बड़ाई कर सकते हैं।

आप परमेश्वर की संतान हैं!

अब, आप परमेश्वर की संतान हैं। **"परन्तु जितनों ने उसे (यीशु मसीह) ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं।" (यूहन्ना 1:12).** इस पद के अनुसार आप भी परमेश्वर की संतान बन गए हैं, जैसे आपने उन पर विश्वास किया है और उन्हें ग्रहण किया है। यह विश्वास करें और उनकी बड़ाई करें!

परमेश्वर की संतान होना कितने आनन्द की बात है। कभी समय था आप शैतान की संतान थे परन्तु अब आप परमेश्वर की संतान बन गए हैं।

आपको परमेश्वर से बातचीत करने का विशेषाधिकार प्राप्त है, जिन्होंने आकाश और पृथ्वी को बनाया है आप उसे अब्बा, हे पिता कहकर पुकार सकते हैं। यह कहते हुए उनकी बड़ाई करें "हे प्रभु, धन्यवाद कि आपने मुझे अपनी संतान बनाया है।"

विश्वास करें!

पश्चाताप, क्षमा प्राप्ति, उद्धार, नया जनम, परमेश्वर की संतान बनना, प्रभु यीशु मसीह को अपने हृदय में ग्रहण करना, यह सभी बातें उसी महान अनुभव की ओर संकेत करती हैं। अब, आपको यह अनुभव प्रदान किया गया है। विश्वास के द्वारा आपको इस अनुभव की पुष्टि करनी चाहिए।

"इन में हम भी सब के सब पहिले अपने शरीर की लालसाओं में दिन बिताते थे, और शरीर, और मन की मनसाएं पूरी करते थे, और और लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे।

परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है; अपने उस बड़े प्रेम के कारण, जिस से उस ने हम से प्रेम किया।

जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया; (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है।)

क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, बरन परमेश्वर का दान है।" (इफिसियों 2:3,4,5,8).

विश्वास करो कि तुम्हारे पाप क्षमा हो चुके हैं। विश्वास करो कि प्रभु यीशु मसीह अब आपके हृदय में हैं।

विश्वास करो कि अब आप परमेश्वर की संतान हैं। जब आप विश्वास करेंगे और प्रभु यीशु की बड़ाई करेंगे तो आप महसूस करेंगे कि उद्धार का आनन्द आपके हृदय को भरता है।

अब से, यदि कोई आपसे पूछता है, "क्या तुम उद्धार पाए हुए हो?" आप निश्चयपूर्वक उन्हें बता सकते हैं, "हाँ, मैं उद्धार पाया हुआ हूँ। प्रभ यीशु मसीह ने मेरे पापों को क्षमा कर दिया है।"

अपने उद्धार पर कभी भी संदेह मत करें।

आज के बाद, प्रार्थना सभाओं में, जब उद्धार के लिए बुलावा दिया जाता है तो आप अपने हाथ न उठाएँ। यदि मँच से बुलावा दिया जाता है कि प्रभु यीशु को जीवन देने के लिए सामने आए तो कृपया आप आगे न जाएँ।

आपने तो पहले ही से प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण कर रखा है। आपके पाप क्षमा हो चुके हैं। अब, प्रभु यीशु मसीह आपके साथ हैं।

इसलिए, आपको सामने जाने की जरूरत नहीं है; आपको उन लोगों के लिए प्रार्थना करनी चाहिए जिन्होंने अभी तक उद्धार नहीं पाया है।

उद्धार एक ही बार होने वाली घटना है। हमें हर सभा में उद्धार पाने की जरूरत नहीं है। जैसे जनम एक ही बार होता है, नया जनम भी जीवनकाल में एक ही बार होता है।

परन्तु अपने उद्धार की रक्षा और पापों से क्षमा के लिए हमें कार्य करते रहने की जरूरत है।

आगे हमें क्या करना चाहिए?

फिर पाप न करें!

एक पापिन स्त्री को प्रभ यीशु मसीह के पास लाया गया। उसने अपने पापों से पश्चाताप किया।

प्रभु यीशु मसीह ने उसके पाप क्षमा किए और कहा, **"...जा और फिर पाप न करना।" (यूहन्ना 8:11).** मसीह यीशु ने आपके पापों को क्षमा कर दिया है। अब, स्वयं को फिर से पाप न करने से बचाने के लिए सावधान रहना है।

पापपूर्ण सम्पर्क से स्वयं को अलग कर लें। यदि आपके मित्र हैं जो आपको पाप करने के लिए भरमाते हैं तो उनकी संगति से दूर हो जाओ।

प्रभु यीशु मसीह आपके अच्छे मित्र होंगे। आपको अपने अमूल्य उद्धार वह जो आपको मिला उसको सुरक्षित रखने के लिए बहुत सावधान होना चाहिए।

एक गरीब युवा व्यक्ति की मित्रता एक धनी युवा व्यक्ति से गई। एक दिन, धनी व्यक्ति उस गरीब व्यक्ति को जुआ खेलने के स्थान पर ले गया। अचानक ही, पुलिस ने उस दिन वहाँ छापा मार

लिया, उनको पकड़ लिया और उन्हें कोर्ट में पेश कर दिया। दोनों को हज़ार हज़ार रुपये जुर्माना कर दिया। धनी व्यक्ति का पिता आया जुर्माना भर दिया और अपने पुत्र को घर ले गया।

वह गरीब व्यक्ति को जेल में बन्द कर दिया। उसकी माँ विधवा थी और वह अपने पुत्र को पढ़ाने के लिए घरों में सफाई का काम करती थी।

उस गरीब विधवा के लिए हज़ार रुपये बहुत बड़ी रकम थी। परन्तु उसने अपने पुत्र को जेल से छुड़ाने के लिए कड़ी मेहनत की और पत्थर तोड़ने की खदान में काम किया।

रात दिन काम करके उसने पैसे कमाए और अपने पुत्र को छुड़ाने के लिए जुर्माना भर दिया।

जब वह युवा व्यक्ति अपने घर वापिस आया तो उसने देखा कि उसकी माँ के हाथों और पाँवों पर कुछ निशान हैं। वह थकी हुई और दुबली हो गई थी। पुत्र ने अपनी माँ से पूछा, "माँ आपके यह घाव कैसे हो गए?"

माँ ने उत्तर दिया, "यह घाव तुम्हारे कारण से हुए हैं मेरे पुत्र। तुम्हें जेल से छुड़ाने के लिए मैंने रात दिन काम किया यह उसी कड़ी मेहनत का परिणाम है।" उसने बड़ी प्रसन्नतापूर्वक यह कहा। पुत्र ने अपने माँ के हाथों को अपने हाथों में लिया और रोते हुए कहा, "आज के बाद मैं ऐसा कोई भी गलत काम नहीं करूँगा।"

कुछ ही दिनों के बाद, उसका वही धनी मित्र उससे मिलने आया। "आओ, हम फिर जुए अड्डे पर चलते हैं," उसने उसे बुलाया। उस गरीब युवा ने मना कर दिया। मित्र ने कहा, "तुम पुलिस से डर गए? यदि हम पकड़े भी जाएँ तो जुर्माना भर सकते हैं और बच सकते हैं।"

गरीब मित्र ने उत्तर दिया, "तुम्हें तो अपनी रिहाई बड़ी आसानी से मिल गई। परन्तु मेरी रिहाई मेरी माँ के घावों

और रक्त से हुई जो उसने मेरे लिए बहाया। मैं फिर अपनी माँ को दुखी नहीं करना चाहता।" ऐसा उसने कहा और वहाँ से हट गया।

क्षमा और छुटकारा जिसका आनन्द आप उठा रहे हैं यह कोई आम बात नहीं है। आपके लिए, प्रभु यीशु मसीह क्रूस पर कीलों से ठोके गए और उन्होंने आपके पापों के लिए अपना रक्त बहाया।

उनके कष्टों के द्वारा जो उद्धार आपने पाया है उसकी रक्षा करें। उनके प्रेम को न भूलें। फिर पाप करने से उनको पीड़ा न दें।

"...मूरतों की अशुद्धताओं और व्यभिचार और गला घोंटे हुओं के मांस से और लहू से परे रहें।" (प्रेरितों के काम 15:20).

"मूरतों पर चढ़ाए हुए भोजन से परे रहें। आज से आपकी और मूरतों की कोई सहभागिता नहीं है। प्रभु यीशु मसीह जिनको आपने ग्रहण किया है वह कोई मूरत नहीं है जो बोल या सुन नहीं सकती। प्रभु यीशु मसीह जीवित परमेश्वर हैं जो आपके हृदय में वास कर रहे हैं।

आपका शरीर मन्दिर है जिसमें प्रभु यीशु मसीह निवास कर रहे हैं। इसलिए, व्यभिचार से परे रहो। किसी भी जानवर या पक्षी का रक्त का सेवन न करें।

परमेश्वर कहते हैं, **"पर मांस को प्राण समेत अर्थात् लहू समेत तुम न खाना।" (उत्पत्ति 9:4).**

प्राण रक्त में होता है। जब किसी जानवर का गला घोंटा जाता है तो रक्त उसके शरीर जम जाता है। इसलिए बाइबल हमें गला घोंटे हुए मांस को न खाने के लिए कहती है।

हमारे प्रभु यीशु मसीह की आराधना करें!

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह परमेश्वर हैं जिन्होंने हमें बचाया है। हमें केवल उन्हीं का धन्यवाद करना है और स्तुति करनी है। हमारा भरोसा किसी अन्य बात पर नहीं होना चाहिए। प्रभु यीशु मसीह सच्चा परमेश्वर है। केवल वही हैं जो हमारे लिए क्रूस पर मरे ओर तीसरे दिन मृतकों में से जी उठे।

हो सकता है कि आप परमेश्वर के सेवक के द्वारा उद्धार पाए हों। परन्तु आपको परमेश्वर के सेवक का गुणगान कभी नहीं करना चाहिए परन्तु मात्र प्रभु यीशु मसीह का ही गुणगान करना है जिन्होंने आपको परमेश्वर के उस सेवक की सेवा के द्वारा बचाया है।

"तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना। तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी कि प्रतिमा बनाना, जो आकाश में, वा पृथ्वी पर, वा पृथ्वी के जल में है।

तू उनको दंडवत् न करना, और न उनकी उपासना करना।" (**निर्गमन 20:3,4,5**) यह परमेश्वर का वचन है।

बाइबल पढ़ें और प्रार्थना करें!

अब आप परमेश्वर की संतान हैं, आपको परमेश्वर अपने पिता से बात करनी चाहिए और उनके वचन सुनने चाहिएँ।

प्रार्थना के द्वारा आप उनसे बातचीत कर सकते हैं; जब आप बाइबल पढ़ते हैं तो उनके वचन सुन सकते हैं।

हर दिन, कम से कम एक घण्टा आप बाइबल पढ़ने और प्रार्थना करने में ही व्यतीत करें। सुबह जैसे ही आप उठते हैं, सबसे पहले परमेश्वर के साथ कम से कम एक घण्टा या सम्भव नहीं है तो सुबह आधा घण्टा और शाम को आधा घण्टा प्रभु के चरणों में बैठकर समय व्यतीत करें।

पहले, बाइबल पढ़ें और फिर उस पर मनन करें। यदि आपके पास बाइबल नहीं है तो अपने लिए एक बाइबल खरीद लें। पहले, नया नियम पढ़ें और उस पर मनन करें। बाइबल परमेश्वर का वचन है और इसलिए इसे प्रार्थनापूर्वक पढ़ें और यदि सम्भव हो तो अपने घुटनों के बल होकर पढ़ें। बाइबल के द्वारा आप परमेश्वर को आपसे बात करते हुए सुन सकते हैं।

वचन पर मनन करने के बाद, प्रार्थना करें। अपने उद्धार और अपनी संतान बनाने के लिए परमेश्वर की बड़ाई करें। परमेश्वर से प्रार्थना करें: "सारे दिन भर, कृपया मुझे पाप करने से बचाकर रखें।"

अपने परिवार के सदस्यों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अभी तक उद्धार का अनुभव प्राप्त नहीं किया है। अपने रिश्तेदारों और मित्रों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। अपने परिवार के लिए प्रार्थना करें। आपकी प्रार्थनाओं से ही प्रभु यीशु मसीह आश्चर्यकर्म करेंगे। जब आप रात को प्रार्थना करें तो दिन भर के कामों का मूल्यांकन करें, अपने हृदय की जाँच करें, स्वयं को समर्पित करें और प्रार्थना करें। यदि आपने कोई पाप भी कर दिया है या गलती हो गई हो तो जैसा पवित्रात्मा ने प्रकट किया है उसका अंगीकार करें और प्रार्थना करें।

"यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।" (1 यूहन्ना 1:9).

इससे पहले जो भी पाप आपने किए उनका आप पर ज्यादा प्रभाव नहीं होगा जैसा आप पाप में जीवन व्यतीत कर रहे थे। परन्तु अब, छोटे से छोटा पाप भी आपके विवेक को कष्ट देगा। छोटी सी बात पर गुस्सा हो जाना या छोटा सा झूठ भी आपको परेशान कर देगा। हो सकता है अपराध बोध महसूस करें और कह उठें, "ओह, मैंने पाप कर दिया है।" इसका कारण यह है कि पवित्रात्मा आपको इसके प्रति कायल करेगा।

उसी समय आप अंगीकार करेंगे और प्रार्थना करेंगे, "हे प्रभु, मैंने यह पाप कर दिया है, कृपया मुझे क्षमा करें।" परमेश्वर आपको उसी समय शान्ति प्रदान करेंगे। ईश्वरीय सामर्थ के लिए प्रार्थना करें कि आप फिर पाप न करें। एक ही दिन में पवित्रता को प्राप्त करना सम्भव नहीं है। यह तभी होगा जब आप बाइबल पढ़ेंगे और गहनता से प्रार्थना करेंगे और प्रभु में आत्मिक रूप से बढ़ेंगे तो आप पवित्रता में बढ़ते रहेंगे।

पवित्रात्मा प्राप्त करें!

आपने पवित्रात्मा के द्वारा ही उद्धार पाया है। जब परमेश्वर सेवक संदेश दे रहा था, उसके द्वारा पवित्रात्मा ने आपसे बातचीत की और आपको पाप के प्रति कायल किया और आपको पश्चाताप करने और बदलने के लिए सहायता की।

"और उसी में तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी।" (इफिसियों 1:13). जब आपने उद्धार पाया तो आपने पवित्रात्मा की छाप प्राप्त की।

परन्तु, बस इतना ही अनुभव काफी नहीं है; आपको पवित्रात्मा की भरपूरी की जरूरत है। इस अनुभव को प्रभु यीशु मसीह के द्वारा समझाया गया है: **"और मैं पिता से बिनती करूंगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा, कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे। अर्थात् सत्य का आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि वह न उसे देखता है और न उसे जानता है: तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा।" यहून्ना 14:16-17).**

जब आप पवित्रात्मा का अभिषेक पाएँगे तब ही आप सफल, पवित्र, मसीही जीवन जी पाओगे।

यह पवित्रात्मा ही है जो हमें पाप पर विजयी होने, समस्याओं पर जय पाने और शैतान पर जय पाने की सामर्थ देता है।

वर्ष 1972 में, हमारे प्रभु ने मुझे बचाया; परन्तु, मैं पवित्र जीवन जीने में संघर्ष कर रहा था। वर्ष 1974 में प्रभु ने मुझे पवित्रात्मा से भरा। केवल उसके बाद ही मैं पवित्र जीवन जीने में सफल हुआ।

आपको भी पवित्रात्मा के अभिषेक की इच्छा होनी चाहिए और इसके लिए प्रार्थना करनी चाहिए। हमारे प्रभु आपको भी पवित्रात्मा का अभिषेक प्रदान करेंगे।

यीशु मसीह कहते हैं, **"परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे ...मेरे गवाह होगे।" (प्रेरितों के काम 1:8).**

परमेश्वर के लोगों के साथ संगति रखें!

मसीही जीवन में परमेश्वर के लोगों के लिए इकट्ठा होना और प्रभु की आराधना करना आवश्यक है। यदि आप किसी चर्च में नही जा रहे हैं तो आपके आत्मिक विकास के लिए और परमेश्वर के लोगों के साथ संगति करने और मिलकर आराधना करने के लिए चर्च के सदस्य बने। कलीसिया के रूप में इकट्ठा होना न छोड़ें।

हर रविवार को चर्च जाने और प्रभु की आराधना करने से कभी न रुकें। आप आत्मिक रूप से तभी विकसित होंगे जब आप चर्च में परमेश्वर का सत्य वचन सुनते रहेंगे। ऐसी सभाओं में जाएँ जहाँ परमेश्वर का वचन प्रचार किया जाता हो। यदि परमेश्वर के लोग इकट्ठा होते हैं और प्रार्थना करते हैं तो उसका हिस्सा बने।

आप चाहे किसी भी चर्च से हो, परमेश्वर सभी लोगों से प्रेम करो। किसी भी व्यक्ति को कम न समझें। परमेश्वर सभी सेवकों से प्रेम करें।

यीशु मसीह के लिए कुछ करें!

प्रभु यीशु मसीह के लिए कुछ करते रहें जिन्होंने आपको पाप और श्राप से छुड़ाया है। अपने उद्धार और क्षमा के आनन्द के विषय अन्य लोगों को बताएँ जो आपको परमेश्वर से मिला है।

जब भी आपको अवसर मिलता है, अपनी अच्छी बातों की साक्षी दें जो अपने परमेश्वर से प्राप्त की हैं और परमेश्वर की बड़ाई करें। आपके लिए जो प्रभु यीशु मसीह ने किया है उस विषय अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों और रिश्तेदारों को बताएँ।

जैसे ही और जब आपको अवसर मिला है परमेश्वर के सेवकों की संगति से जुड़ें और सेवाकार्य करें। आप अपने दान देने के द्वारा परमेश्वर के सेवाकार्य में सहायता कर सकते हैं। हर तरह से प्रभु यीशु मसीह के लिए कुछ न कुछ कार्य करते रहें। वह आपको आशीषित करेंगे और आपको उन्नत करेंगे।

प्रभु यीशु मसीह में बने रहें!

प्रभु यीशु मसीह कहतें हैं, **"परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा।" (मत्ती 24:13)**. आप जो उद्धार पाए हुए हैं, दृढ़ रहें और अन्त तक प्रभु यीशु मसीह में बने रहें।

एक मसीही व्यक्ति का जीवन फूलों की सेज नहीं हैं। यह तो पत्थरों और काँटों भरा पथ है। यह बात सच्च है कि मसीही जीवन आनन्द, शान्ति और आशीषों से भरपूर जीवन है। इसके साथ ही साथ, यह कष्ट से भी भरा हुआ है।

कष्ट से डरें नहीं; परेशानियों को देखकर कमजोर न हों। परमेश्वर जिन्होंने आपको बचाया है आपके साथ रहेंगे और आपकी अगुआई करेंगे।

आपके अपने परिवार में हो सकता है आप धमकाए गए हों और परेशानियों में डाल दिए गए हों। क्योंकि आपने प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण किया है तो हो सकता है आपको अपने स्थान या कार्य-स्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़े। इससे आप परेशान न हों।

प्रभु यीशु मसीह के इन वचनों पर ध्यान करें: **"मैं ने ये बातें तुम से इसलिये कही हैं, कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले; संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बांधो, मैं ने संसार को जीत लिया है।" (यूहन्ना 16:33)**. "हमें बड़े क्लेश उठाकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना होगा।" परमेश्वर का वचन प्रेरितों के काम 14:22 में कहता है।

इसलिए जब कष्ट आए तो पीछे न मुड़ें। प्रभ यीशु मसीह के साथ अपनी पकड़ को ढीली न करें। उसी में बने रहें केवल वही जो उसके साथ बने रहेंगे और वही स्वर्गीय आशीषों का आनन्द उठाएँगे।

यहाँ तक कि आपके कष्टों में, प्रभु यीशु आपकी सहायता करेंगे। आपको सतानेवाले लोगों के मध्य, वह आपको उन्नत करेंगे। वह आपको जय देंगे और आपको शर्मिंदा नहीं होने देंगे।

प्रभु यीशु मसीह ने आपको एक प्रतिज्ञा दी है: **"...और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूँ।" (मत्ती 28:20)**. अन्त तक वह आपके साथ रहेंगे, आपको आशीषित करेंगे और रक्षा करें और आपकी अगुआई करेंगे।

प्रभु यीशु दोबारा आएँगे!

यीशु मसीह, जो हमारे लिए मर गए और हमारे लिए फिर जी उठे थे, दोबारा संसार में आनेवाले हैं। उस समय संसार का अन्त हो जाएगा।

अब, यीशु मसीह हमारे लिए स्वर्ग में स्थान तैयार कर रहे हैं। उन्होंने हमें प्रतिज्ञा दी है: **"और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूं, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहां ले जाऊंगा, कि जहां मैं रहूं वहां तुम भी रहो।" (यूहन्ना 14:3).**

यह संसार हमारे लिए स्थाई निवास स्थान नहीं है। इस संसार के कष्ट तो थोड़े समय के हैं। परन्तु स्वर्ग के राज्य में प्रभु यीशु के साथ हम हमेशा आनन्द करेंगे। वहाँ कोई मृत्यु नहीं, कोई रोग नहीं, कोई आँसू नहीं और कोई कष्ट नहीं।

हम उस आनन्दमयी स्थान पर ले जाने के लिए प्रभु यीशु मसीह दोबारा आ रहे हैं। यदि हम उनके दोबारा आने पर आनन्द करना है तो हमें उसमें बने रहना है। केवल वही जिन्होंने यीशु को अपना उद्धारकर्ता और प्रभु ग्रहण किया, वे जो अपने

पापों से मुक्त हो गए हैं और पवित्र जीवन जीते हैं स्वर्ग के राज्य में आनन्द के साथ प्रवेश करेंगे।

"निदान, हे बालको, उस में बने रहो; कि जब वह प्रगट हो, तो हमें हियाव हो, और हम उसके आने पर उसके साम्हने लज्जित न हों।" (1 यूहन्ना 2:28)

"शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे; और तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें। तुम्हारा बुलानेवाला सच्चा है, और वह ऐसा ही करेगा।" (1थिस्सलुनीकियों 5:23-24).

परमेश्वर का अनुग्रह आप बना रहे!
आमीन!

हमारे भाई मोहन सी. लाज़रस के द्वारा विशेष लाईव प्रोग्राम!

सत्यम टी वी पर, यीशु छुड़ाता है
सोशल नेटवर्क–यूटयूब और
फेसबुक और कम्फर्टर टी वी

आओ, आइए हम मिलकर प्रार्थना करें!

हर सप्ताह शनिवार और रविवार को
शाम 7:00 से रात्रि 9:30 बजे तक

दरार की प्रार्थना! (अन्तिम शनिवार)

Jesusredeemsministries

www.comfortertv.com Mohanclazarus

YouTube youtube.com/jesusredeemshindi

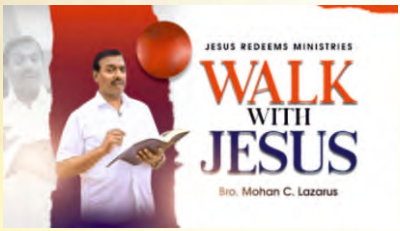

देखना न भूलें

'यीशु के साथ चलना' कार्यक्रम

हर दिन प्रातः 6:00 बजे

सोशल मीडिया पर (कम्फर्टर टीवी, यूटयूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम).

लेखक परिचय...

धर्मनिष्ठ हिन्दू परिवार में जनम हुआ और धर्म के लिए बड़ी कट्टरता के साथ पालन-पोषण हुआ, भाई मोहन सी. लाज़रस, 14 वर्ष की आयु में, जिगर की सूजन के रोग से पीड़ित थे और चलने-फिरने की क्षमता को खो बैठे थे।

जब डॉक्टरों ने इनकी आशा छोड़ दी, प्रभु यीशु मसीह ने इन्हें छुआ और एक आश्चर्यकर्म के द्वारा चंगा किया।

बाद में, यीशु मसीह इन्हें उद्धार के अनुभव में लाया और इनका अभिषेक किया और अपना सेवाकार्य करने के लिए बुलाया, और अब प्रभु इन्हें सशक्त रूप से प्रयोग कर रहे हैं। यीशु छुड़ाता है सेवा के द्वारा, प्रभु संसार के कई धर्मों के लोगों की हज़ारों की संख्या तक पहुँच रहे हैं और देह और प्राण में आशीषें रहे हैं।

यह सेवा, 'यीशु छुड़ाता है' नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन कर रही है। जो भी इसे प्राप्त करना चाहते हैं, हमें लिख सकते हैं। हम आपको निःशुल्क पत्रिका भेजेंगे।

For Counselling and Prayer:

Jesus Redeems MINISTRIES

JESUS REDEEMS MINISTRIES

Nalumavadi - 628211, Thoothukudi Dist., Tamilnadu, India.

Phone: +91 4639 - 35 33 33, **Whatsapp:** +91 8111071000

For 24 hrs Prayer Support: +91 4639 - 35 35 35

Email: goodnews@jesusredeems.org